

10/11/14

जयपुर शहर

(आपका) पत्र पढ़ी वकील कारिगार उद्योगी
 वकील कारिगार एवं याहीगार को कर
 और कर स्वयं आपाएय रूप में
 आपाएय रूप से समझे एक इतना
 समझें कि वकील कारिगार
 एक वकील की इच्छा को इतना
 नहीं दुखाना कि वह अपनी इच्छा में वकील
 को वस उतना दालें उतना परी में
 दालें किना गामही आपका कर
 और इतना देकर कि वकील उतना
 इतना इतना इतना है

सहायक कलेक्टर एवम्
 कार्यपालक मजिस्ट्रेट
 जयपुर शहर (प्रथम)

